शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -4
April
2025

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शासकीय एवं अशासकीय पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

अनूप कुमार खरे
शोधार्थी
डॉ. वेदप्रकाश
शोध निर्देशक (सहायक प्राध्यापक)
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर (म.प्र.)

शोध सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शासकीय एवं अशासकीय पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। शोध के लिए टीकमगढ़ जिले से शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 अध्यापकों का चयन किया गया है इसमें 150 पुरुष अध्यापक एवं 150 महिला अध्यापक हैं। संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करने के लिए डॉ. एस.के. मंगलम एवं श्रीमती शुभा मंगलम द्वारा निर्मित ''संवेगात्मक बुद्धि इन्वेंटरी'' का प्रयोग किया गया है। तथ्यों का विश्लेषण, मध्यमान, मानक विचलन एवं टी परीक्षण द्वारा किया गया है। अध्ययन के परिणामों से ज्ञात हुआ कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शासकीय एवं अशासकीय पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई अंतर नहीं है।

प्रस्तावना

संवेगात्मक बुद्धि हमें यह बताती है कि विपरीत परिस्थितियों में किस प्रकार संयमित रहा जाये। संवेगात्मक बुद्धि विद्यालय और कार्यक्षेत्र में सफलता को निर्धारित करती है। कार्यक्षेत्र में संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति की सामूहिक रूप से सहयोग करने तथा साथ-साथ सीखने में, अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में सहायता प्रदान करती है। सामानय रूप से यह जीवन के

प्रत्येक आयाम में लाभदायक सिद्ध होती है। संवेगात्मक बुद्धि के धनी लोग अच्छे सकारात्मक, सामाजिक सम्बन्ध दूसरों के साथ बना लेते हैं।

गोलमैन के अनुसार - ''संवेगात्मक बुद्धि अपने तथा दूसरों के भावों को पहचानने की क्षमता तथा अपने आप को अभिप्रेरित करके तथा अपने संबंधों में संवेग को प्रबंधित करने की क्षमता है। संवेगात्मक बुद्धि द्वारा उन क्षमताओं का वर्णन होता है जो शैक्षिक बुद्धि या बुद्धिलब्धि द्वारा मापे जाने वाले पूर्णतः संज्ञानात्मक क्षमताओं से भिन्न परन्तु उसके पूरक होते है।''

अध्ययन के उद्देश्य

1. शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
2. अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1. शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धि के मापने के लिए डॉ. एस.के. मंगलम एवं श्रीमती शुभ्रा मंगलम द्वारा निर्मित ''संवेगात्मक बुद्धि इन्वेंटरी'' का प्रयोग किया गया है। इस प्रश्नावली में 100 प्रश्न है।

शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -4
April
2025

न्यादर्श - प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत टीकमगढ़ जिले के शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 300 अध्यापकों को सम्मिलित किया गया है, इसमें 150 पुरुष अध्यापक एवं 150 महिला अध्यापक है।

शोध विधि - प्रस्तुत अध्ययन के सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का सारणीयन

सारणी क्र.1

शासकीय विद्यालय के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

क्षेत्र	शासकीय पुरूष अध्यापक N-150		शासकीय efgyk अध्यापक N-150		सी.आर. का मान	सार्थकता स्तर	
	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		0.05	0.01
संवेगात्मक बुद्धि	71.45	10.15	72.71	9.21	0.47	सार्थक अंतर नहीं है	सार्थक अंतर नहीं है
df-298							

सारणी क्र.1 में शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का क्रांतिक अनुपात 0.47 पाया गया है। अर्थात् निष्कर्ष निकलता है कि शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई अंतर नहीं है। अतः दोनों का स्तर समान है।

शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -4
April
2025

सारणी क्र.2

अशासकीय विद्यालय के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन

क्षेत्र	शासकीय पुरूष अध्यापक N-150		शासकीय efgyk अध्यापक N-150		सी.आर. का मान	सार्थकता स्तर	
	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		0.05	0.01
संवेगात्मक बुद्धि	71.36	10.35	36.56	12.14	0.78	सार्थक अंतर नहीं है	सार्थक अंतर नहीं है
df-298							

सारणी क्र.2 में अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि का क्रांतिक अनुपात 0.78 पाया गया है। अर्थात् निष्कर्ष निकलता है कि अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई अंतर नहीं है। अतः दोनों का स्तर समान है।

निष्कर्ष

1. शासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. अशासकीय विद्यालयों के पुरुष एवं महिला अध्यापकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

संदर्भ

1. कपिल, एच.के. - सांख्यिकी के मूल तत्व, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा,
2. मंगल एस.के. - शिक्षा मनोविज्ञान, पीएचआई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
3. पाठक, पी.डी. - शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा
4. गोलमैन डेनियल - संवेगात्मक बृद्धि के साथ काम करना, न्यूयार्क पेंटम बुक्स